

(५३)

# समक्ष : माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर

निगरानी / 2015

लिंग - ३९९७ - I - १५

वीरेन्द्र कुमार तनय श्री रामकिशोर अग्निहोत्री  
निवासी ग्रम खेरी तहसील राजनगर जिला  
छतरपुर म.प्र.।

.....आवेदक

विरुद्ध

बाबूलाल उर्फ बबू बसोर पिता मुन्नी बसोर  
निवासी ग्रम खेरी तहसील राजनगर जिला  
छतरपुर म.प्र.।

.....अनावेदक

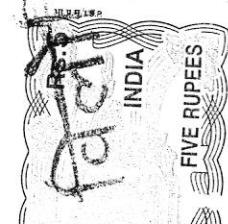
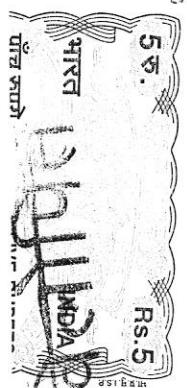
निगरानी अंतर्गत धारा 50 मध्य प्रदेश भू- राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत  
एवं सहपठित धारा 32 के अंतर्गत विरुद्ध श्रीमान नायव तहसीलदार महोदय  
प्रभारी क्षेत्र बसारी तहसील राजनगर जिला छतरपुर के प्रकरण क्रमांक  
75/अ-६/2014-2015 में पारित आदेश दिनांक 20.11.2015 से दुखित  
होकर निगरानी।

श्रीमान जी,

आवेदक की ओर से निवेदन निम्न प्रकार है-

## प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य

- यहकि, प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि ग्रम खेरी की भूमि खसरा नम्बर 972 किता 1 रकवा 0.672 है ० का खाता अनावेदक के नाम है उक्त भूमि के जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 12.3.2014 से आवेदक द्वारा कय किया था। उक्त भूमि के विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक ने नामांतरण कराने हेतु आवेदन पत्र विधिवत एवं नियमानुसार धारा 109,110 म.प्र. भू-राज्य संहिता 1959 के तहत अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार राजनगर जिला छतरपुर के समक्ष पेश किया जिसका प्रकरण क



Xxxix(a)-BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक ३७७ दो / २०१६ निगरानी

जिला छतरपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही एंव विवरण	पक्षकारों एंव अभिक्रेता
४-२-१६	<p>आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने गये तथ प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया। यह निगरानी नायव तहसीलदार, वृत्त बसारी तहसील राजनगर जिला छतरपुर व्दारा प्रकरण क्रमांक 75 अ-६/ २०१४-१५ में पारित अंतरिम आदेश दिनांक २०-११-१५ के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, १९५९ की धारा ५० के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>२/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों के अनुसार आवेदक ने ग्राम खेरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक ९७२ रकबा ०.६७२ हैक्टर अनावेदक बाबूलाल बसोर पुत्र मुन्नी बसोर निवासी ग्राम खेरी से जर्य पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक १२.३.१४ से क्रय की है एंव क्रय उपरांत नायव तहसीलदार के समक्ष नामान्तरण आवेदन प्रस्तुत किया, परन्तु नायव तहसीलदार वृत्त बसारी के समक्ष विक्रेता व्दारा सहमति देने एंव अन्य कोई आपत्ति न आने के बाद भी उसका नामांत्रण न करे प्रकरण में बेबजह विलम्ब कर रहे हैं। उन्होंने निगरानी स्वीकार करने की प्रार्थना की।</p> <p>३/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एंव उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन पर स्थिति यह है कि ग्राम खेरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक ९७२ रकबा ०.६७२ हैक्टर विक्रय पत्र दिनांक १२-३-१४ के पूर्व बाबूलाल बसोर पुत्र मुन्नी बसोर निवासी ग्राम खेरी के स्वत्व एंव स्वामित्व की होकर उसके नाम शासकीय अभिलेख में भूमिस्वामी दर्ज रही है जिसे उसने विक्रय पत्र दिनांक १२.३.१४ से आवेदक के हित में</p>	

विक्य किया है। आवेदक ने विक्य पत्र के आधार पर नायव तहसीलदार के समक्ष नामांत्रण आवेदन दिनांक 25-2-15 को प्रस्तुत किया है इसके उपरांत नायव तहसीलदार ने प्रकरण में इसी तिथि को इस्तहार जारी करने के आदेश दिये हैं। इस्तहार जारी होने पर कोई आपत्ति नहीं आई है एंव विकेता भी नामान्तरण करने पर सहमति दे रहा है। ग्राम खेरी रिथ्त भूमि सर्वे क्रमांक 972 रकबा 0.672 हैक्टर अनावेदक बाबूलाल बसोर पुत्र मुन्नी बसोर निवासी ग्राम खेरी के नाम सन् 1969 से शासकीय अभिलेख में अंकित आ रही है जैसाकि प्रस्तुत खसरा प्रमाणित प्रतिलिपियों की छायाप्रति से प्रमाणित है। जब रिकार्ड भूमिस्वामी ने भूमि विक्य की है। इस्तहार जारी करने पर कोई आपत्ति नहीं आई है विकेता नामान्तरण पर सहमति व्यक्त कर रहा है एंव राजस्व न्यायालय विक्य पत्र की बैधता की जांच करने हेतु सक्षम नहीं है तथा विक्य पत्र पर से स्वत्व का प्रश्न विनिश्चित न होकर मात्र शासकीय अभिलेख अद्वतन किया जाता है, विक्य पत्र दिनांक 12.3.14 पर से नामान्तरण किये जाने में किसी प्रकार की बैधानिक अङ्गुष्ठन नहीं है।

- 4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर नायव तहसीलदार, वृत्त बसारी तहसील राजनगर जिला छतरपुर व्वारा प्रकरण क्रमांक 75 अ-6/2014-15 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 20-11-15 को निरस्त करते हुये निर्देश दिये जाते हैं कि विक्य पत्र दिनांक 12.3.14 पर से वाद विचारित भूमि पर आवेदक की सुनवाई कर 30 दिवस के भीतर नामान्त्रण किया जावे।


  
सदस्य